प्रवाह

दिवस 2, अंक 1

हिन्दी प्रेस क्लब

संपादकीय

पूरे देश में ठंड ने दस्तक दे दी है। जहाँ इस ठंड में लोग रजाई का लोभ नही छोड़ रहे हैं , वहीँ बिट्स में एक अलग ही मौसम देखने को मिल रहा है। नीद और रजाई के आनंद को भूलकर, बिट्स ओएसिस के रंग में डूबा हुआ है। और हो भी क्यूँ ना? आखिर यह हमारा 50वाँ ओएसिस है। कैम्पस फिर से जाग उठा है एक नयी लहर और उमंग में और है तैयार एक नए ओएसिस की गवाही के लिए। यह उत्साह यह दिखाता है कि बिट्सियन कितने बेसब्री से ओएसिस का इन्तजार करते हैं। लोग कहते हैं कि कोरोना ने आम जीवन शैली में "सेटबैक" लाया है, परन्तु ओएसिस 2022 ने लोगों को फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण ओएसिस का पहला दिन रहा।

"प्राइड स्टॉल" जैसे इवेंट हमारे ओएसिस के प्रगतिशील प्रकृति को दर्शाता है। यह दिखाता है कि बिट्सियन तैयार है विश्व गुरु बनने के लिए। निर्माण और NSS के स्टॉल ने बिट्सियन की एक नयी आयाम और सोच को दर्शाता है। "बेशक अनुभव की कमी से, छोटी छोटी गलतियां हो सकती हैं, लेकिन जो मायने रखता है वह है "प्रयास"। वह प्रयास जो ओएसिस के पहले के रंगों को बहाल करेगा और हमारे खोये हुए कीमती समय को सार्थक सिद्ध करेगा। ओएसिस का यह फेस्ट छात्रों के अथक प्रयत्न का प्रतीक बने और इस आशा के साथ के साथ ओएसिस हिंदी प्रेस प्रस्तुत करता है अपनी पत्रिका, "प्रवाह", जहाँ आप ओएसिस के रंगारंग संस्कृति में यात्रा करने का मौका मिलेगा। यह विश्वास है कि यह ओएसिस बिट्स के स्वर्णिम पलों में से एक होगा और आने वाले फेस्ट के लिए उदाहरण प्रस्तुत करेगा। हम हर क्लब और डिपार्टमेंट को ओएसिस के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देते हैं।

अनुक्रमणिका

- प्रेम की परिभाषा
- हेड्ज़ अप
- RC रेसिंग
- एक पहल
- लेज़र टैग
- रैप वॉर
- ओएसिस - एक दुनिया

प्रेम की परिभाषा

प्रेम, प्यार, मोहब्बत, इश्क - यह शब्द सुनकर शायद आपके मन में किसी बॉलीवुड फ़िल्म के किरदार आएँगे। शायद शाह रुख खान की फिल्में याद आयेंगी जिस में वह राज अपनी सिमरन से बाहें फैला कर अपने प्यार का इज़हार करता था। लेकिन आज हमारे समाज में दो राज के प्रेमी होने पर उन्हें यमराज का सामना भी करना पड़ सकता है। इसका कारण है कि हमारी प्यार को लेकर समझ कुछ हद तक गलत है।

इसी परिभाषा को बदलने के लिए निकला है - एंकर , जो बिट्स पिलानी का **GENDER AND SEXUALITY CELL** है। ओएसिस 2022 में एंकर ने “ प्राईड स्टॉल “ आयोजित किया। बिट्स कैम्पस के कृष्ण भवन पार्किंग में स्थित कई दुकानों के बीच एक रंग - बिरंगी दूकान थी प्राईड स्टॉल , जहाँ पर कई सारी गतिविधियाँ चल रही थी। पूरे स्टॉल को भिन्न - भिन्न रंगों के झंडों से सजाया गया था। जहाँ एक तरफ़ लोग अपने नाखूनों पर सुन्दर **NAIL PAINT** लगवा रहे थे , वहीँ दूसरी ओर वे सुनहरे रंग का मुखौटा पहन कर तसवीरें खिंचवा रहे थे। ज़ाहिर है कि यह सुन्दर व अनोखी सजावट देख कर उत्सुक जनता खिंची चली आई। क्योंकि **LGBTQ** आज भी भारत में एक विवादित विषय है, एंकर के कुछ सदस्य इस विषय पर जागरुकता फैला रहे थे।

हिंदी प्रेस क्लब ने एंकर के सदस्यों से वार्तालाप करने पर जाना कि इन रंगीन सजावटों का बहुत गहरा और खूबसूरत मतलब है। शायद प्रेम की कोई एक सही परिभाषा होती ही नही है। प्रेम कोई भेदभाव नही करता। वह रंग, रूप, भाषा, जात, धर्म और यहाँ तक कि लिंग से भी अनभिज्ञ है। प्रेम ढूँढता है तो केवल मन की पवित्रता। जिस प्रकार किसी कलाकार के पास खाली कागज़ को रंगों से भरनी की पूर्ण आज़ादी होती है , दुनिया में हर इंसान को अपने प्यार का इज़हार करने की आज़ादी होनी चाहिए। **LGBTQ+** समाज के झंडे में सभी रंग इस आज़ादी का प्रतीक हैं। प्राईड स्टॉल की सैर करने के बाद हिंदी प्रेस क्लब ने भी वॉल ऑफ हैपीनेस पर एक सकारात्मक सन्देश छोड़ा - " **LOVE YOURSELF** " , यानी " खुद से प्यार कीजिये "।

हेड्ज़ अप!

हम सभी के कुछ ऐसे खास और करीबी मित्र होते हैं जो बिना बोले ही हमारी बात समझ जाते हैं। कई बार हम आँखों ही आँखों में जोक समझ जातें हैं और हँसी छूट जाती है। ऐसे ही घनिष्ठ मित्रों के लिए ओएसिस के दूसरे दिन पर कम्यूनो ने एक मज़ेदार खेल का आयोजन किया जिसका नाम था- **HEADS UP**। यह खेल दो प्रतिभागी एक जोड़ी बनाकर खेलते हैं और यह बिलकुल निःशुल्क था।

कम्यूनो ने कई सारे बोर्ड तैयार किये थे जिनपर एक-एक शब्द लिखा था। इस खेल के नियम कुछ इस प्रकार से थे - बिना वह शब्द पढ़े एक पतिभागी को वे बोर्ड अपने हाथों में उठाकर अपने साथी को दिखाना होता है। दूसरे प्रतिभागी को कोशिश करनी होती है की वह बिना उस शब्द का अनुवाद करे अपने साथी को वह शब्द बताये। जिस खिलाड़ी ने बोर्ड पकड़ा होता है उसे वह शब्द बोलना होता है। तीन प्रकार के बोर्ड होते हैं - सफ़ेद, हरा और नीला जिनके एक, दो और तीन अंक थे। हर जोड़ी को खेलने के लिए एक मिनट दिया गया था। खेल का रिकॉर्ड रहा 15 अंक, और विजेता जोड़ी को **EPIGAMIA** की तरफ़ से एक मिल्क्शेक का हैंपर भेंट किया गया। इस खेल में अनेक जोशीले जोड़ियों ने खूब ज़ोर-शोर से हिस्सा लिया। कम्यूनो क्लब का उद्देश्य है बिट्स के छात्रों की बोलने की कुशलता में बेहतरी लाकर उनकी सहायता करना। यह खेल बहुत ही मज़ेदार होने के साथ चुनौतीपूर्ण भी था जिसके माध्यम से दो लोगों के बीच सम्बन्ध भी बेहतर होते हैं।

RC रेसिंग

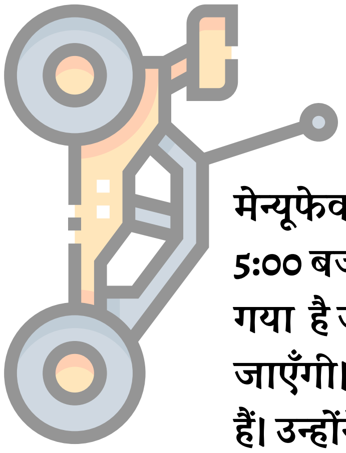

मेन्यूफेक्टुरिंग अस्सोक द्वारा आयोजित “RC रेसिंग” वी-कि लाव्न्स में मध्यरात से सुबह 5:00 बजे तक आयोजित करवाया गया। यह आयोजन पहली बार **OASIS** में करवाया गया है जो कि एक गाड़ियों की रेस हैं। गाड़ियाँ रिमोट कंट्रोल के माध्यम से चलायी जाएँगी। यह एक मनोरंजक खेल है जिसमे वे तीन लोगों को एक रेस का हिस्सा बनने देते हैं। उन्होंने खुद से रेस के पथ को बनाया जिससे उसमे सही मात्रा के मोड और उभार हों ताकि खेल रोमांचक बने और पीछे उन्होंने गानों का बंदोबस्त किया है जिससे माहोल और मज़ेदार बना रहें। **OASIS** में लोग छोटे मनोरंजक खेलों का आनंद लेते हैं और इसलिए उन्होंने यह कार्यक्रम करवाने का फैसला किया है। इसके अलवा यह उनके कार्यक्षेत्र में भी आता हैं। उन्हें ढाई-सौ लोगों के पूर्व-पंजीकरण मिले हैं और हम अच्छी भागीदारी की उम्मीद कर रहे हैं।

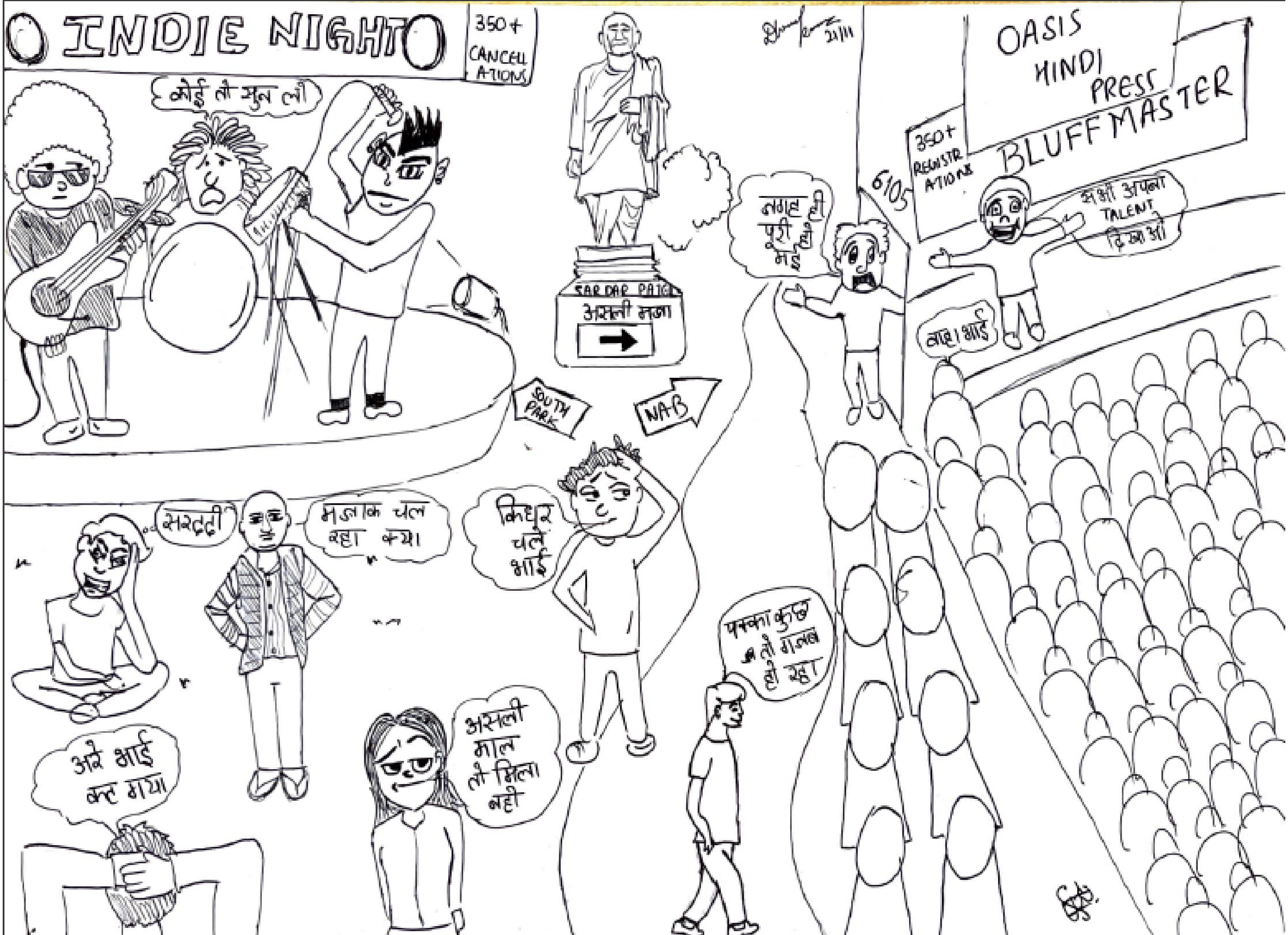
INDIE NIGHT
350+ CANCELLATIONS
कोई तो सुन लो
SARDAR PATE
असली मजा
SOUTH PARK
NAB
जगह ही पूरी हो गई
OASIS HINDI PRESS
BLUFFMASTER
350+ REGISTRATIONS
6105
सभी अपना TALENT दिखाओ
वाह! भाई
सरदर्द!
मज़ाक चल रहा क्या।
किधर चले भाई
पक्का कुछ तो गलत हो रहा
असली माल तो मिला नहीं
अरे भाई कट गया

एक पहल

ओएसिस'22 का रंगारंग कार्यक्रम दूसरे दिन भी जोश व उत्साह से भरपूर रहा। मनोरंजन के साथ-साथ अनेक प्रकार की भावनाओं से ओत-प्रोत ओएसिस के द्वितीय दिवस के मुख्य आकर्षणों में से एक निर्माण संस्था द्वारा आयोजित स्वयंशक्ति स्टाल रहा, जिसने महिला सशक्तिकरण का सजीव उदाहरण पेश किया। बिट्स पिलानी के पूर्व छात्रों द्वारा 2005 में स्थापित निर्माण संस्था का मुख्य कार्य समाज के वंचित वर्ग का उत्थान करना है। अपने इसी लक्ष्य को पूर्ण करने की कड़ी में इस वर्ष स्वयंशक्ति स्टाल गरीब व पिछड़े वर्ग की ग्रामीण महिलाओं के द्वारा बनाई गई हस्तशिल्प कलाकृतियों को बेचेगा। उससे एकत्रित धन को वंचित महिलाओं में वितरित किया जायेगा। इन ग्रामीण महिलाओं द्वारा बनाए गए की-रिंग, इअर-रिंग, वॉल-हेंगिंग इत्यादि को बेच संस्था द्वारा एकत्रित धन को बाद में जरूरतमंद महिलाओं में बांटा जाएगा। कार्यक्रम में आगे की ओर, निर्माण द्वारा आयोजित पानी-पुरी स्पर्धा ने भी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। खेल का प्रारूप सामान्य किन्तु रोचक था। यह चुनौतीपूर्ण खेल 6-8 सदस्यों के समूह में खेला गया जिसमें भाग लेने का शुल्क 60 रुपये प्रति सदस्य था।

एक मिनट के भीतर अधिक से अधिक गोल-गप्पे खाने वाले दल को विजेता घोषित किया गया। विजेता को पुरस्कार राशि के रूप में सम्पूर्ण भाग शुल्क लौटा दिया गया। हार-जीत को परे रख जिस तरह प्रतिभागियों ने पानी-पुरी का आनंद लिया, वह एक भावपूर्ण क्षण रहा। आयोजन का एक अन्य आकर्षण "कलाकृति" ब्लॉक-प्रिंटिंग कार्यक्रम रहा, जिसका भाग शुल्क 100 रुपये प्रति सदस्य था। इसमें प्रतिभागियों को एक रुमाल व 5-6 प्रकार के ब्लॉक दिए गए। इनका प्रयोग कर प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रकार की आकृतियाँ बना अपने कला-कौशल का प्रदर्शन किया। प्राप्त एंट्रीज में से सबसे सुंदर एंट्री को कलाकृति समारोह के समापन पर 1000 रूपये का अमेज़न वाउचर पुरस्कार के रूप में दिया जायेगा। निर्माण संस्था की समाज के उत्थान हेतु यह पहल सम्माननीय व सराहनीय है। ओएसिस हिंदी प्रेस सभी से अपील करता है कि इस तरह के सामाजिक कार्यक्रम में अधिक से अधिक मात्रा में पहुंचकर आयोजन को सफल बनाएँ।

रैप वॉर

ओएसिस का पहला दिन , बिट्स पिलानी की गुलाबी ठण्ड ,रात के साढ़े बारह बजे का समय और मौज़ूद सभी छात्रों के कदम रोटुंडा की और स्वतः ही बढ़ने लगे क्यूंकि अब बारी थी पोएट्री क्लब द्वारा आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम rap wars की| Rap जो की 21वीं सदी की सबसे प्रचलित संगीतों में से एक है , जिसके लिए बिट्स एवं अन्य कॉलेजों के छात्र-छात्राओं के मध्य उत्साह देखने को मिला| Rap wars के सभी अंतिम प्रतिभागी जिन्हे बिट्स जैसे शानदार संस्थान में अपनी प्रस्तुति देने का मौका मिला , वे सभी 8 प्रतिभागी दिल्ली , मुंबई, कलकत्ता व हैदराबाद में प्रारंभिक चरणों को पार करते हुए यहाँ तक पहुँचे हैं। कार्यक्रम नियत समय से एक घंटे की देरी के बाद शुरु हुआ। छात्रों का उत्साह इस कदर था कि ज़गह ना मिलने पर कई छात्रों ने नीचे बैठकर ही कार्यक्रम का लुत्फ़ उठाने का मन बना लिया| कार्यक्रम के पहले चरण में सभी प्रतिभागियों को एक- एक कर प्रस्तुति देने का मौका मिला एवं दूसरे चरण में हर शहर के दो प्रतिभागियों को टीम बनाकर अपनी प्रतिद्वंदी टीम के बारे में अपने विचार रखने का मौका मिला| सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के सभी चरणों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया तथा दर्शकों का मनोरंजन किया| निर्णायकों ने 4 विभिन्न मापदण्डों को ध्यान में रखते हुए प्रतिभागियों को अंक प्रदान किये| अंततः दिल्ली से आये श्री लक्की ने कार्यक्रम में आये सभी प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया| कार्यक्रम के प्रारम्भ व अंत में हुई बीटबॉक्सिंग ने भी जमकर वाह-वाही लूटी|

लेज़र टैग!

RadioAktiv द्वारा आयोजित “लेसर टैग” एक दस मिनट का खेल कार्यक्रम होगा जिसको सात लोगों की दो टीमें खेलेंगी। यह कार्यक्रम रात 11:30 बजे से सुबह के 5:00 बजे तक वी-के लाव्न्स में करवाया जाएगा। हर खिलाड़ी को इस खेल में तीन जीवन प्रदान किये जाएंगे जिसे उन्हें लेसर के माध्यम से नष्ट करना होगा। उनकी मान्यता है कि ऐसे खेल अक्सर बड़े शहर के मोलों में पाये जाते हैं तो अगर वे इसे OASIS में करवाए तो लोगों को भी मज़ा आएगा। इस कार्यक्रम को करवाने में उन्हें जो वेंडर दिल्ली से सारी खेलसामग्री लेकर आए हैं उनके लिए रहन-सहन का प्रावधान करना पड़ा और पूर्व-भुगतान करना पड़ा। उन्होंने बताया कि पूर्व-पंजीकरण के चलते ही उन्हें मुनाफ़ा हो जाएगा और वे BOSM की तरह अच्छे खासे खेल समय पर होने वाले पंजीकरण की अपेक्षा कर रहें हैं।

ओएसिस - एक दुनिया

शिथिल पड़े दिल को धड़काने का समय आ गया भाइयों और बहनों। 19 नवंबर के उद्घघाटन समारोह ने पूरे ओएसिस में सांस भरी और बिट्स अपने खोये हुए अस्तित्व को स्वर्ण से सजाने हेतु जाग उठा। बिट्सियन के लिए तो ये हर साल आता है। पर अगर किसी का इस धरती पर सबसे पहला अनुभव ही ओएसिस हो तो उसपर इसका क्या प्रभाव हो ?

हमारे ओएसिस में एक मेहमान पिलानी का नही बल्कि इस पृथ्वी के बाहर से आया है। एक अलौकिक परदेसी जो कि भारत के रेगिस्तान में पधारें हैं, पर उसकी जिज्ञासा ने उसे रेगिस्तान के सबसे उज्ज्वल निशान की ओर खींच लायी।उसने एक सांवले नौजवान का रूप धारण किया जिसका नाम है ऋषि चौधरी। चेहरे पर उसकी चौंकी हुई अभिव्यक्ति उसकी जिज्ञासा को दर्शाती है, और वह हमेशा कुछ भी खरीदने पर पैसे देना भूल जाता है परन्तु, बिट्स में आईडी कार्ड का जादू चलता है और कुछ घंटो में ऋषि भी जादूगर बन गया। वह ओएसिस के उद्घघाटन में सबसे उत्सुक आँखे लिए बैठा, सबसे ज़ोरदार तालियाँ बजा रहा था। अगर आप अपने सोच पर थोड़ा ज़ोर डालेंगे तो आपको भी उस इंसान कि याद आएगी जो हर ओएसिस कार्यक्रम में सबसे जोशीला तथा उत्साही दिखाई देता है और अगर आपने ध्यान नहीं दिया तो आने वाले मौके पर गौर फ़रमाईएगा। इस जीव के माध्यम से हम यह देख सकते हैं कि ओएसिस और बिट्स का तड़का कैसे एक शांत और डरे हुए प्राणी को खोलकर निर्भयता और बेपरवाही के सांचे में ढाल देता है जिसके परिणाम यह है कि उसे न सोने, खाने और न नहाने का भान रहता है। उसके अंदर एक जानवर जागता है और दिमाग का वो हिस्सा जो कि तर्कसंगत बातें करे वो मानो हार मानकर चुप हो जाता है और फिर सिर्फ एक ही लक्ष्य बाकी रहता है जो हैं अपनी शरीर की सीमाओं को नयी ऊचाँइओ तक खीचना।

अब आप सोच रहे होंगे कि मैं अनेक संभवित विकल्पों को छोड़कर ऐसा अनोखा दावा क्यों कर रहा हूँ ? पहली बात तो यह कि ओएसिस की स्वर्ण जयंती पर साधारण सोच-विचार को तो अहमियत देना अनुचित होगा। और दूसरी बात यह कि ऋषि चौधरी को मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूँ क्योंकि वह मेरा रूममेट है। वह एक शांत स्वभाव का व्यक्ति है जो घूमने-फिरने में थोडा कम विश्वास रखता है। और सुनिए जनाब, ऋषि तो ओएसिस की छुट्टियों पर अपने घर गुजरात 18 नवंबर को ही चला गया था और मैं तबसे कमरे में अकेला ही रह रहा हूँ।

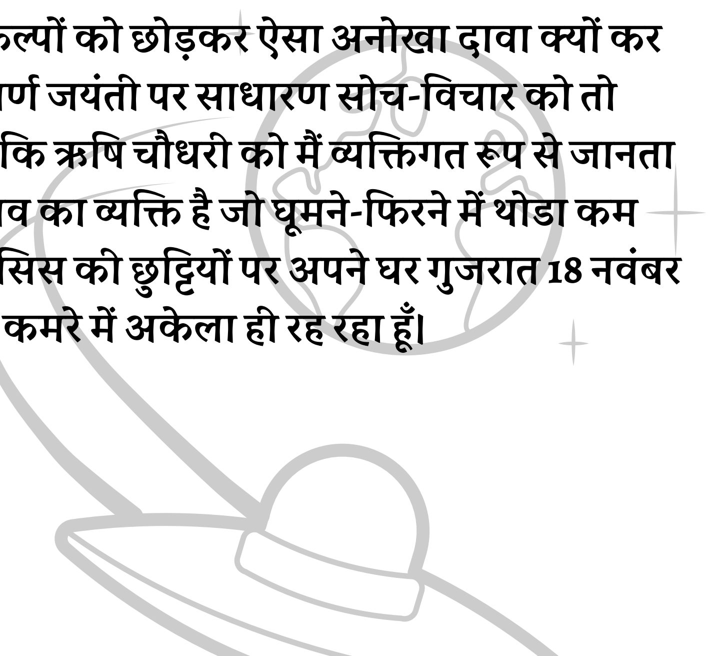

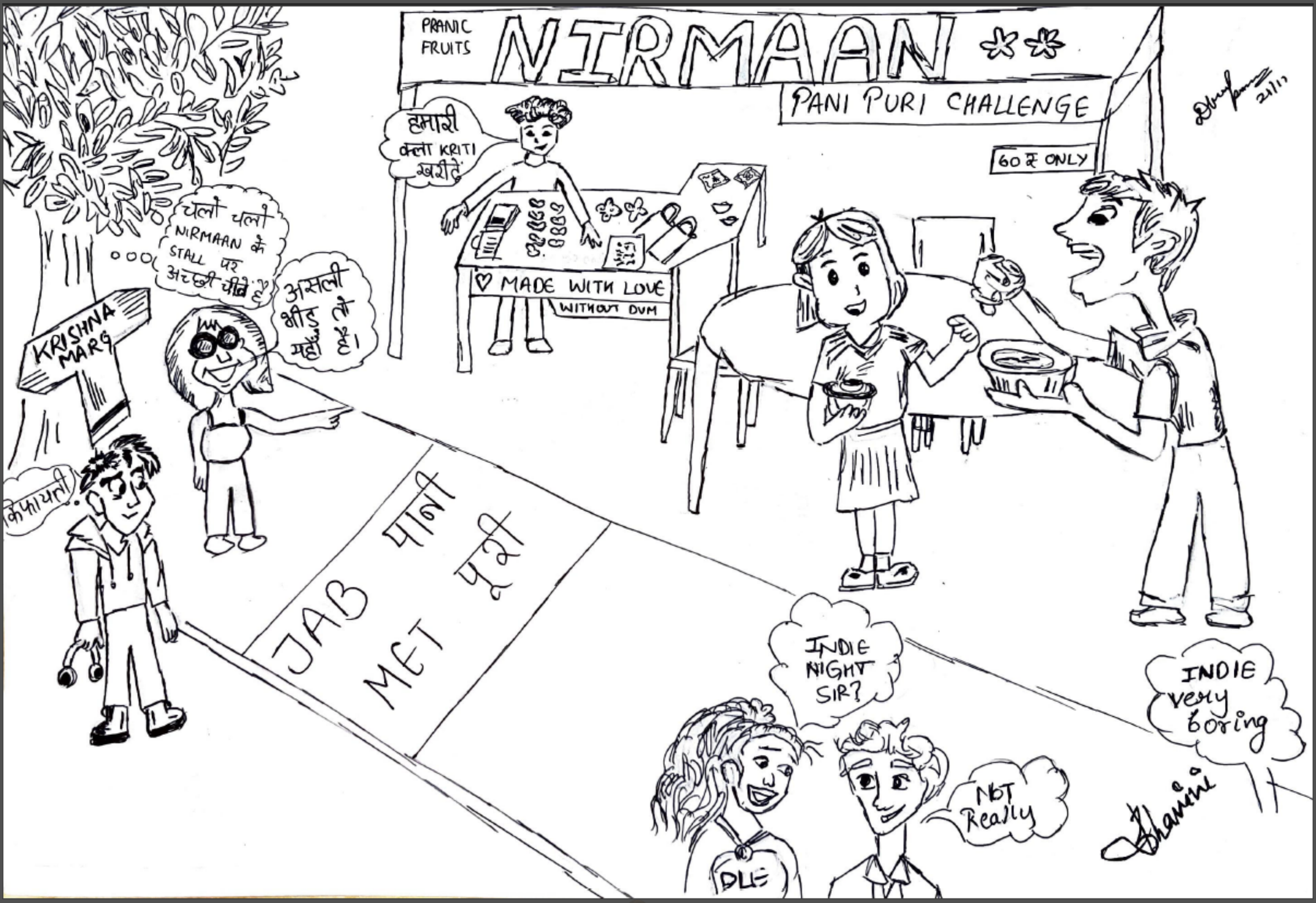

ओएसिसि हिन्दी प्रेस

परीश्री ,हार्दिक, संस्कार, लाम्बा, शाल्मली,अदिति

आकाश,आदित्य,ऋत्विक, आर्यमन, सर्वेश, जैनम, देव, आरुषी, आर्ची, निशिका, भव्य, हिमांशी,

अमृत, मल्लिका, सर्वाक्ष, वैष्णवी, विदित, पुलकित, कामरा, अनुज, अवि, सार्थ, अक्षय

हर्ष, रिया, दिवाकर, अभिन्नआशीष , हर्षवर्धन, कौस्तुभ, नमः, कविश, वीरेंदर, भाविनी, राहुल